**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

**प्रेस विज्ञप्ति**
**तारीखः 15 अगस्त, 2025**
**जारी करने का समय: 1600 घंटे**

**विषय: i) दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर निम्न दबाव का क्षेत्र है।**

**ii) अगले 7 दिनों के दौरान गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ 16-18 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में, 17 और 18 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र में और 18 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।**

**iii) अगले 7 दिनों के दौरान मध्य भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**

**पिछले 24 घंटों में 15 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:**

- ✓ जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, तटीय कर्नाटक, ओडिशा, तेलंगाना, कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ✓ हिमाचल प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, गुजरात राज्य, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र, असम और मेघालय, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

**पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।**

**मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):**

- ✓ मानसून की द्रोणिका अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर चल रही है।
- ✓ निम्न दबाव का क्षेत्र आज, 15 अगस्त 2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 0830 बजे दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश के ऊपर बना हुआ है। इससे संबंधित ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण ऊपरी क्षोभमंडल स्तर तक विस्तारित है और ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे दक्षिण गुजरात और कोंकण व गोवा के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच एक द्रोणिका गंगीय पश्चिम बंगाल के दक्षिणी भागों से पूर्व-मध्य अरब सागर तक, दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश, उत्तरी तेलंगाना, दक्षिण महाराष्ट्र पर बने निम्न दबाव के क्षेत्र से जुड़े ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण के पार बनी हुई है, जो ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकी हुई है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व असम के ऊपर बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

**पश्चिम भारत:**

- कोकण और गोवा में 16 से 18 अगस्त तक; मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में 17 और 18 अगस्त को; गुजरात क्षेत्र में 18 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा** की संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र, कोकण और गोवा, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर अगले 7 दिनों के दौरान; मराठवाड़ा में 15 से 19 अगस्त तक **भारी वर्षा** के साथ **कोकण और गोवा में अगले 7 दिनों तक; मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र के घाट क्षेत्रों में 16 से 21 अगस्त तक; मराठवाड़ा में 15 और 18 अगस्त को; सौराष्ट्र और कच्छ में 18 से 20 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

**उत्तर-पश्चिम भारत:**

- पूर्वी राजस्थान और उत्तराखंड में अगले 7 दिनों के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 15 से 20 अगस्त तक; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 15, 17 और 18 अगस्त को; पंजाब में 15 से 19 अगस्त तक; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 15 से 18 अगस्त तक; पश्चिम उत्तर प्रदेश में 16 और 21 अगस्त को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 अगस्त को; पश्चिम राजस्थान में 19 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा** के साथ **उत्तराखंड में 16 और 17 अगस्त को; पूर्वी राजस्थान में 18 और 19 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**
- जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, उत्तराखंड और राजस्थान में अधिकांश/कई स्थानों पर अगले 7 दिनों के दौरान हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

**पूर्वी और मध्य भारत:**

- मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अगले 7 दिनों के दौरान; विदर्भ में अगले 7 दिनों तक, सिवाय 19 अगस्त के; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 15 अगस्त को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17, 18 और 21 अगस्त को; झारखंड में 19 अगस्त को; ओडिशा में 15 अगस्त को और 17 से 21 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा** के साथ **पश्चिम मध्य प्रदेश में 15, 16, 18 और 19 अगस्त को; छत्तीसगढ़ में 19 से 21 अगस्त तक बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**
- अगले 5 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

**दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:**

- तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में अगले 7 दिनों के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 15 और 19 अगस्त को; केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 15 से 18 अगस्त तक; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 18 और 19 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर **भारी वर्षा** के साथ **तेलंगाना में 15 से 19 अगस्त तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 17 और 18 अगस्त को; तटीय कर्नाटक में 18 और 19 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**
- दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में 19 अगस्त तक सतही हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति) की संभावना है।
- रायलसीमा, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, और तेलंगाना में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

**पूर्वोत्तर भारत:**

- असम और मेघालय में अगले 7 दिनों तक; अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 16 से 21 अगस्त तक **भारी वर्षा** के साथ **अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 20 और 21 अगस्त को; असम और मेघालय में 16, 20 और 21 अगस्त को बहुत भारी वर्षा की संभावना है।**
- अगले 3 दिनों तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

**मछुआरों के लिए चेतावनी:**

**मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 15 से 20 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:**

- **अरब सागर:** पश्चिम-मध्य अरब सागर और आसपास के अधिकांश हिस्सों में, पूर्व-मध्य और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 15 से 20 अगस्त तक; कोमोरिन क्षेत्र के 15 से 18 अगस्त तक; लक्षद्वीप क्षेत्र में 15 से 19 अगस्त तक; कोंकण, गोवा, कर्नाटक तटों के साथ और आसपास 15 से 20 अगस्त तक; केरल और आसपास के लक्षद्वीप क्षेत्रों के साथ और आसपास 15 से 18 अगस्त तक; दक्षिण गुजरात तट के साथ और आसपास 18 से 20 अगस्त तक कुछ हिस्सों में। सोमालिया तट, यमन और ओमान तटों के साथ और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 15 से 20 अगस्त तक।
- **बंगाल की खाड़ी:** श्रीलंका तट के साथ और आसपास 15, 17, 18 और 19 अगस्त को; मध्य और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में 15 से 20 अगस्त तक; उत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 15 अगस्त को; आंध्र प्रदेश तट के साथ और आसपास 15 से 20 अगस्त तक; दक्षिण ओडिशा तट के साथ 15 अगस्त को।
  मन्नार की खाड़ी और दक्षिण तमिलनाडु तट के साथ और आसपास 15 से 20 अगस्त तक।
  अंडमान सागर में 15 से 20 अगस्त तक।

उपरोक्त क्षेत्रों और तारीखों में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित करने की सलाह दी जाती है।

**ii. 15 से 18 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

**जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें:** https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

**वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):**

- **कोंकण और गोवा:** हरनाई (जिला रत्नागिरी) 18, रत्नागिरी - (जिला रत्नागिरी) 18, वैभववाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग) 15, लांजा (जिला रत्नागिरी) 15, सावरदे-अर्ग (जिला रत्नागिरी) 15, गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी) 14, दापोली_एग्री (जिला रत्नागिरी) 13, श्रीवर्धन (जिला रायगढ़) 13, कुदाल (जिला सिंधुदुर्ग) 11, वाकवाली_अग्री (जिला रत्नागिरी) 11, संगमेश्वर देवरुख (जिला रत्नागिरी) 9, म्हासला (जिला रायगढ़) 7, मंडनगढ़ (जिला रत्नागिरी) 7, मुरुद (जिला रायगढ़) 7, पोंडा (जिला उत्तरी गोवा) 7;
- **तेलंगाना:** टेकमल (जिला मेडक) 17, अल्लादुर्ग (जिला मेडक) 14, मदनूर (जिला कामारेड्डी) 13, कोठागुड़ा (जिला महबूबाबाद) 13, वर्णी (जिला निज़ामाबाद) 12, रेगोडे (जिला मेडक) 11, कोटगिरी (जिला निज़ामाबाद) 9, कौडिपल्ले (जिला मेडक) 8, नारायणखेड (जिला संगारेड्डी) 7, चिंताकम (जिला खम्मम) 7,
- **मराठावाड़ा:** वाशी (जिला धाराशिव) 16, भोकर (जिला नांदेड़) 12, उमरी (जिला नांदेड़) 12, कंधार (जिला नांदेड़) 10, मुखेड़ (जिला नांदेड़) 8, औसा (जिला लातूर) 8, पटोदा (जिला बीड) 8, देगलूर - एफएमओ (जिला नांदेड़) 8, लोहा (जिला नांदेड़) 7, जियोराई (जिला बीड) 7, निलंगा (जिला लातूर) 7, कैज (जिला बीड) 7, परभणी - (जिला परभणी) 7, लोहारा (जिला धाराशिव) 7, भूम (जिला धाराशिव) 7,
- **तटीय कर्नाटक:** अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 15, कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 13, कारवार (जिला उत्तर कन्नड़) 8,
- **ओडिशा:** रामपुर (जिला कालाहांडी) 13, गोप (जिला पुरी) 8, नीमपारा (जिला पुरी) 8, जयपटना (जिला कालाहांडी) 7,
- **जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद:** राजौरी (जिला राजौरी) 14, राजौरी अर्ग (जिला राजौरी) 8, उधमपुर (आईएएफ) (जिला उधमपुर) 8, पुंछ (जिला पुंछ) 7, रियासी अर्ग (जिला रियासी) 7,
- **छत्तीसगढ़:** राजनांदगांव (जिला राजनांदगांव) 12, तखतपुर (जिला बिलासपुर) 7,
- **हिमाचल प्रदेश:** जोगिंदरनगर (जिला मंडी) 11, पालमपुर (जिला कांगड़ा) 10, भराड़ी (जिला हमीरपुर) 7, नारकंडा औस (जिला शिमला) 7, धर्मशाला (जिला कांगड़ा) 7, नैना देवी (जिला बिलासपुर) 7,
- **मध्य महाराष्ट्र:** गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 10, राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 8,
- **पंजाब:** होशियारपुर एडब्ल्यूएस (जिला होशियारपुर) 10, बुल इर (जिला लुधियाना) 9, शाहपुर कंडी (जिला पठानकोट) 9, माधोपुर (जिला पठानकोट) 7, मलिकपुर (जिला पठानकोट) 7,
- **हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली:** आयानगर एडब्ल्यूएस (जिला दक्षिणी दिल्ली) 9, सफदरजंग (जिला दक्षिणी पूर्वी दिल्ली) 8, लोदी रोड (जिला दक्षिणी पूर्वी दिल्ली) 7, आया नगर (जिला दक्षिणी दिल्ली) 7, नूंह (जिला नूंह) 9, फरीदाबाद (जिला फरीदाबाद) 7, भड़कल (जिला फरीदाबाद) 7,
- **पूर्वी राजस्थान:** निवाई (जिला टोंक) 9, टोंक वनस्थली (जिला टोंक) 7,
- **उत्तर आंतरिक कर्नाटक:** भालकी (जिला बीदर) 9,
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश:** नरवर (जिला शिवपुरी) 9,
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा:** सैहा_एडब्ल्यूएस (जिला सैहा) 9, मोकोकचांग (जिला मोकोकचुंग) 8, ओंगपंगकोंग एनएसडीएमए_एडब्ल्यूएस (जिला मोकोकचुंग) 8, सैहा (जिला सैहा) 8, सैनिक स्कूल_आर्ग (जिला इम्फाल पूर्व) 7, इम्फाल टी-एयरो (जिला इम्फाल पूर्व) 7, तुली एनएसडीएमए_एडब्ल्यूएस (जिला मोकोकचुंग) 7,
- **असम और मेघालय:** मेघालय बारापानी (जिला री भोई) 9, शिलांगनी_एडब्ल्यूएस (जिला नागांव) 7,
- **केरल और माहे:** वेल्लानिकारा (जिला त्रिशूर) 8, थट्टाथुमाला (जिला तिरुवनंतपुरम) 8, टेलिचेरी (जिला कन्नूर) 7, रन्नी (जिला पथानामथिट्टा) 7, कुन्नाथनम (जिला पथानामथिट्टा) 7, पीची (जिला त्रिशूर) 7, लाहा (जिला पथानामथिट्टा) 7,
- **गुजरात क्षेत्र:** वाघई (जिला डांग) 8, डांग_केवीके एडब्ल्यूएस (जिला डांग) 7,
- **सौराष्ट्र और कच्छ:** सूत्रपाड़ा (जिला गिर सोमनाथ) 8
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम:** सोमपेटा (जिला श्रीकाकुलम) 7,
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश:** मड़ावरा (जिला ललितपुर) 7,
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह:** हट बे 7;

| Table-1 | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **7 Days Rainfall Forecast** | | | | | | | | |
| **S.No.** | **Subdivision** | **15- Aug** | **16- Aug** | **17- Aug** | **18- Aug** | **19- Aug** | **20- Aug** | **21- Aug** |
| | | **Day 1** | **Day 2** | **Day 3** | **Day 4** | **Day 5** | **Day 6** | **Day 7** |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | SCT | SCT | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | WS | WS |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | WS | WS |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | FWS | FWS | WS | WS | FWS | FWS | WS |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | FWS | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 7 | ODISHA | FWS | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 8 | JHARKHAND | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 9 | BIHAR | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | ISOL | ISOL | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | ISOL | SCT | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS |
| 12 | UTTARAKHAND | FWS | WS | WS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | SCT | FWS | FWS | FWS | SCT | FWS | SCT |
| 14 | PUNJAB | SCT | SCT | SCT | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | WS | FWS | FWS | WS | WS | FWS | FWS |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | WS | SCT | FWS | WS | FWS | SCT | SCT |
| 17 | WEST RAJASTHAN | ISOL | ISOL | SCT | SCT | FWS | SCT | SCT |
| 18 | EAST RAJASTHAN | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS | FWS |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | FWS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | FWS | FWS | FWS | FWS | WS | WS | WS |
| 21 | GUJRAT REGION | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | FWS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 23 | KONKAN & GOA | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | SCT | FWS | FWS | WS | FWS | FWS | SCT |
| 25 | MARATHWADA | WS | FWS | FWS | WS | FWS | FWS | SCT |
| 26 | VIDARBHA | FWS | FWS | FWS | FWS | WS | WS | WS |
| 27 | CHHATTISGARH | FWS | FWS | FWS | WS | WS | WS | WS |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | SCT | SCT | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT |
| 29 | TELANGANA | WS | WS | FWS | FWS | FWS | SCT | SCT |
| 30 | RAYALASEEMA | SCT | SCT | FWS | FWS | SCT | ISOL | ISOL |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | WS | WS | WS | WS | WS | WS | WS |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | FWS | FWS | FWS | WS | WS | FWS | SCT |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | SCT | SCT | FWS | FWS | FWS | SCT | SCT |
| 35 | KERALA AND MAHE | WS | WS | WS | WS | WS | FWS | FWS |
| 36 | LAKSHADWEEP | WS | WS | WS | FWS | FWS | SCT | SCT |

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

**अनुलग्नक III**

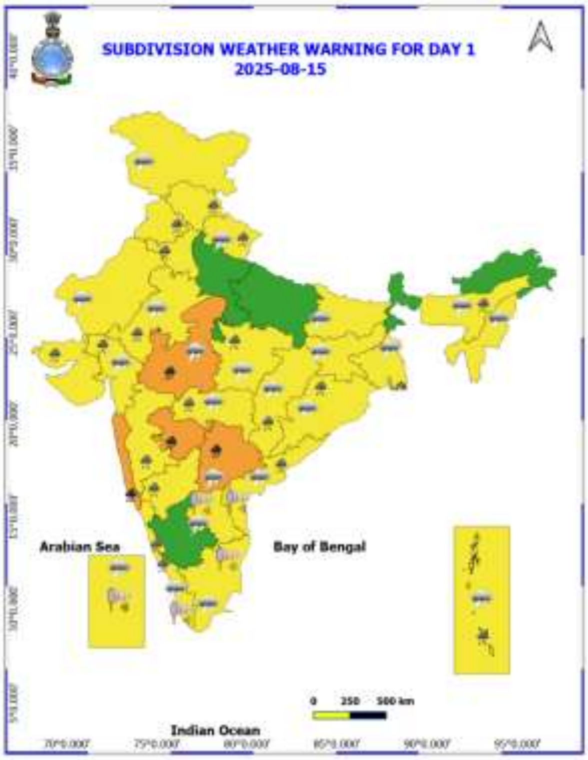
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

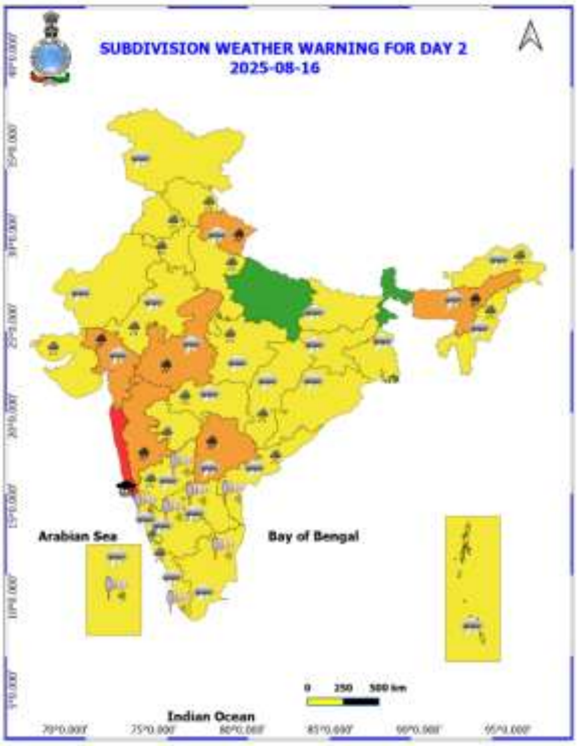
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-16
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

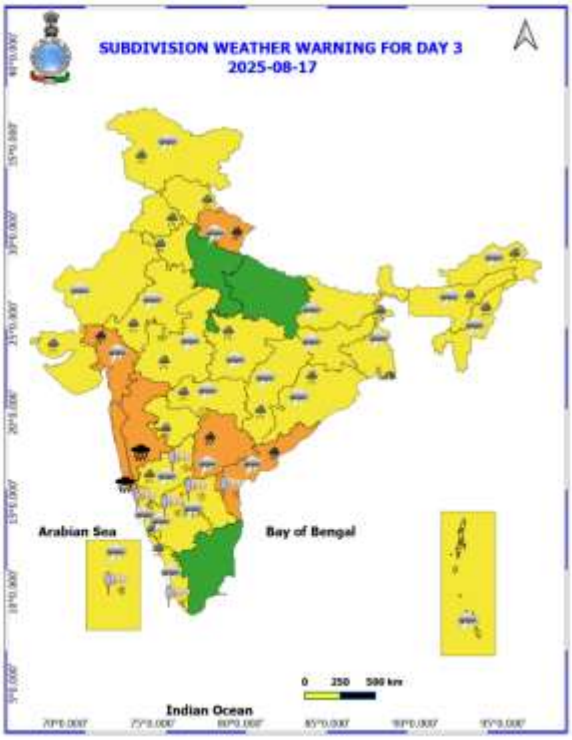
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

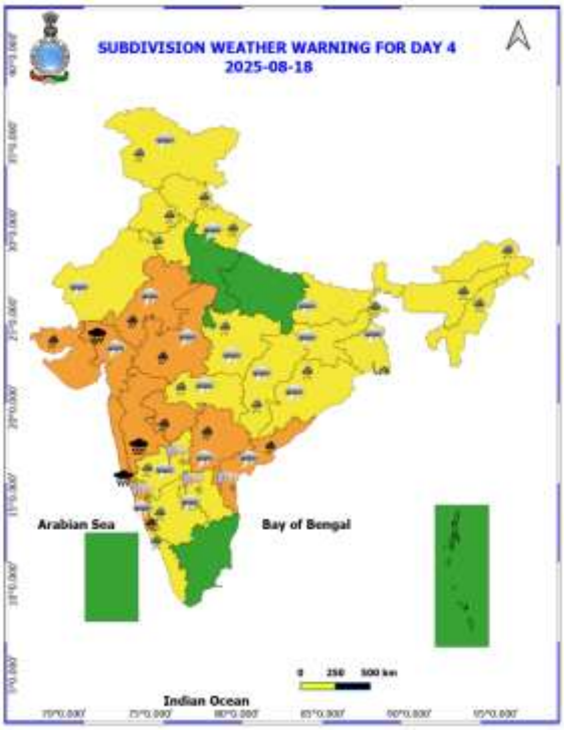


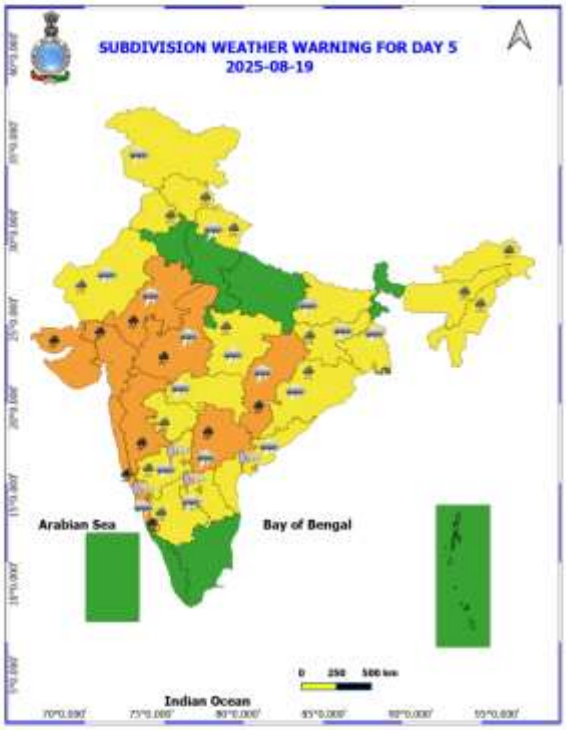


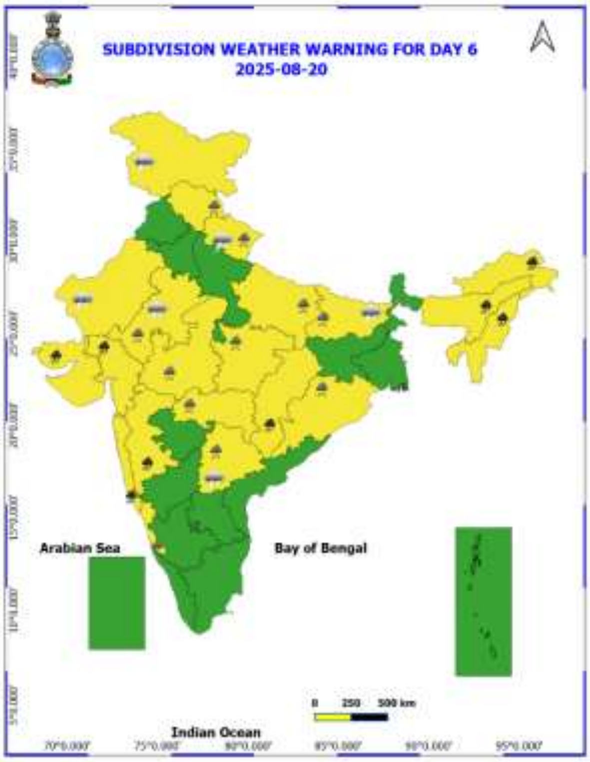


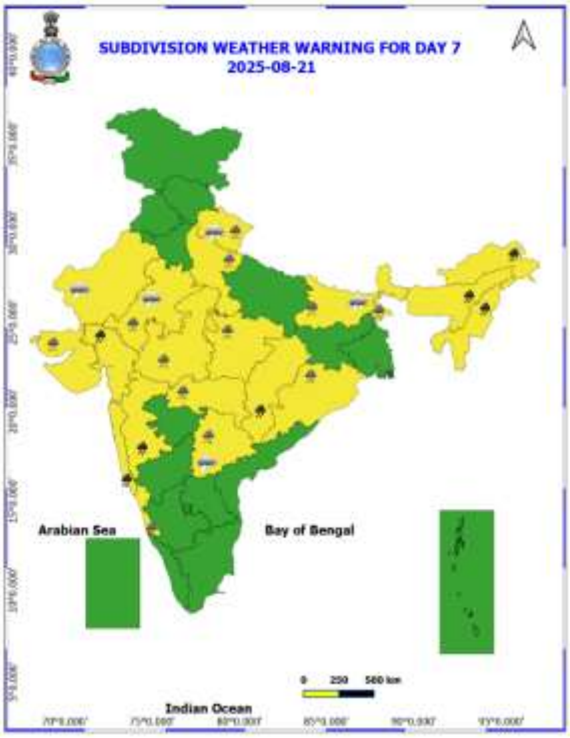


- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

**दिल्ली/एनसीआर में 15 अगस्त से 18 अगस्त 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान:**

**पिछला मौसम:** दिल्ली में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ी गिरावट नहीं आई है और अधिकतम तापमान में 5-7°C की गिरावट दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान 23-25°C और अधिकतम तापमान 27-28°C के बीच रहा। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 5-7°C कम रहा। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्वी हवाएं चलीं। दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान सफदरजंग में सबसे अधिक 80.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज दोपहर में इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

**मौसम पूर्वानुमान:**

**15.08.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। कई स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं और दोपहर से रात तक कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति 5-10 किमी प्रति घंटा तक होगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटा तक रहेगी।

**16.08.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह और दोपहर के समय एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश/आँधी चलने की संभावना है। शाम/रात के समय हल्की बारिश का एक और दौर होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति 10-15 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 5-10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटे तक रहेगी।

**17.08.2025:** आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय बहुत हल्की बारिश/बूंदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम से रात तक पूर्व दिशा से आने वाली हवा की गति 10-15 किमी प्रति घंटे तक बढ़ जाएगी।

**18.08.2025:** आसमान में सामान्यतः बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 से 33°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C तक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C तक कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी। दोपहर में दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएँ चलेंगी। शाम और रात में पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएँ चलेंगी।

### अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 16 से 18 तारीख के दौरान कोंकण और गोवा में; 17 और 18 तारीख को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र; 18 अगस्त को गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर **अत्यधिक भारी वर्षा** की संभावना है।
- कोंकण और गोवा में अगले 7 दिनों के दौरान; 16 से 21 तारीख के दौरान मध्य महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र के घाट क्षेत्र; 15 और 18 तारीख को मराठवाड़ा; 18 से 20 तारीख के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ; 16 और 17 तारीख को उत्तराखंड; 18 और 19 तारीख को पूर्वी राजस्थान और तटीय कर्नाटक; 15, 16, 18 और 19 तारीख को पश्चिम मध्य प्रदेश; 19 से 21 तारीख के दौरान छत्तीसगढ़; 15 से 19 तारीख के दौरान तेलंगाना; 17 और 18 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 20 और 21 तारीख को अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा; असम और मेघालय में 16, 20 और 21 अगस्त को **बहुत भारी वर्षा** की संभावना है।

#### अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

#### सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

### भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

**(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)**

- **महाराष्ट्र** में, **कोंकण** में धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जियों के खेतों और बागानों से; **मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में धान, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन, सब्जियों और बागानों से; और **मराठवाड़ा** में मूंगफली, उड़द, मूंग, कपास, अरहर, बाजरा, हल्दी, गन्ना, सब्जियों जैसी खड़ी फसलों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **गुजरात** में, **दक्षिण गुजरात** के भारी वर्षा क्षेत्र में चावल, गन्ना, सब्जियों और कंद फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। गन्ने को यांत्रिक सहायता प्रदान करें।
- **मध्य प्रदेश** में, **सतपुड़ा पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, कपास और सब्जियों के खेतों में; **मालवा पठार क्षेत्र** में सोयाबीन, मक्का और सब्जियों के खेतों में; **मध्य नर्मदा घाटी क्षेत्र** में धान, सोयाबीन, मक्का, गन्ना और सब्जियों के खेतों में; **निमाड़ घाटी क्षेत्र** में सोयाबीन, अरहर, कपास और सब्जियों के खेतों में; और **विंध्य पठार क्षेत्र** में मक्का, सोयाबीन, काला चना, कपास और अरहर के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- **तेलंगाना** में, **उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र** में धान, कपास, मक्का, सोयाबीन, अरहर, हल्दी, सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी के लिए पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें; तथा **दक्षिणी तेलंगाना क्षेत्र** में चावल, कपास, सोयाबीन, सब्जियों और सब्जी नर्सरियों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।

- **आंध्र प्रदेश** में, **उत्तरी तटीय क्षेत्र** में मक्का, कपास, गन्ना, धान, मेस्ता, ला अरहर, मूंग, उड़द और मूंगफली के खेतों से; तथा **उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जी के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **ओडिशा** में, **उत्तर पूर्वी घाट क्षेत्र** में मक्का और कपास के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **छत्तीसगढ़** में, **बस्तर पठार क्षेत्र** में खरीफ मक्का, धान, लघु अनाज, दालों और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में बोई गई मूंग, उड़द, गन्ना, मूंगफली, तिल और सब्जियों के खेतों में; **पहाड़ी क्षेत्र में** सोयाबीन, मक्का, दालें, रागी, अदरक और सब्जियों के खेतों और फलों के बागों में; और **उप आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में बाजरा, रागी और पहले से बोई गई मूंग की फसलों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में अदरक, हल्दी और मक्का के खेतों में तथा **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें। **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में पके टमाटरों की कटाई करें।

**पशुपालन / मत्स्य पालन**

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

## तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

**(आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)**

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

**किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:**

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

**मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:**

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

# LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

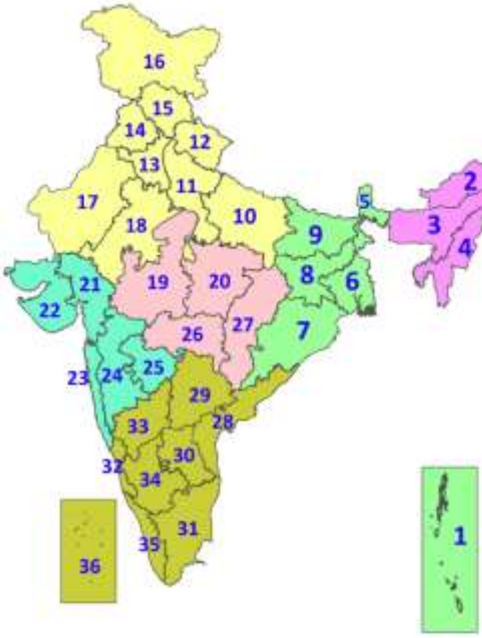


1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|---|---|---|---|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|---|---|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)